दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, शुक्रवार, 17 जून 2022 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-04, अंक- 259

मुख्यमंत्री ने राहुल के रेस्क्यू ऑपरेशन टीम को किया सम्मानित

- मुख्यमंत्री ने कहा -ऑपरेशन दुरुह था, संकट आए, संघर्ष आए, लेकिन हिम्मत बनी रही
- राज्य शासन उठाएगी राहुल साहू की पढ़ाई-लिखाई एवं चिकित्सा का खर्च
- राज्योत्सव में होगा राहुल और रेस्क्यू टीम का फिर से सम्मान

रायपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा है कि जांजगीर-चांपा जिले के बोरवेल में फंसे बच्चे को निकालने के लिए चलाए गए रेस्क्यू ऑपरेशन पर डाक्यूमेंटरी फिल्म बननी चाहिए। रेस्क्यू टीम के इस अनुभव को प्रदेश और देश के लोग समझ सकें। यह फिल्म भविष्य में ऐसी होने वाली घटनाओं को रोकने के लिए भी सीख बनेगी। मुख्यमंत्री बघेल आज यहां अपने निवास कार्यालय में जांजगीर-चांपा जिले के ग्राम पिहरीद के बोरवेल में फंसे बच्चे के रेस्क्यू ऑपरेशन में उल्लेखनीय भूमिका अदा करने वाले जिला प्रशासन, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ, सेना और पुलिस के जवानों सहित इस आपरेशन में सहयोग देने वाले लोगों के सम्मान समारोह को सम्बोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि राहुल की पढ़ाई, लिखाई एवं उसके चिकित्सा का पूरा खर्च राज्य शासन द्वारा वहन किया जाएगा। मैं पूरी रेस्क्यू टीम और प्रदेश और देश की जनता के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करता हूँ, जिन्होंने राहुल के शीघ्र रेस्क्यू के लिए दुआ की। आप सभी की सूझबूझ, मेहनत, लगन और हौसलों ने काम किया। सभी का लक्ष्य एक ही था, राहुल को बचाना और वह पूरा हुआ। उन्होंने कहा कि यह ऑपरेशन दुरूह था, संकट आए, संघर्ष आए, लेकिन हिम्मत बनी रही। इस पूरे घटनाक्रम की डॉक्यूमेंट्री बननी चाहिए ताकि लोग इसे देखें, समझें जिससे भविष्य में इस तरह की घटना को टाला जा सके। आप सभी का सम्मान कर

मन नहीं भरा है, आप लोगों को और सम्मानित करने का मन करता है। बच्चे राहुल साहू को बोरवेल से निकालने वाले बालक अजरूल और पूरी टीम को राज्योत्सव में आमंत्रित किया जाएगा और वहां पर आप सभी का सम्मान होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विपरीत परिस्थितियों में भी आप सभी डटे रहे, कड़ी धूप में, खुले मैदान में लगातार संघर्ष करते रहे। ईश्वर ने राहुल में कुछ कमी कर दी है, लेकिन दूसरी ओर कुछ खासियत भी दी है। राहुल की हिम्मत और संतोष ने बहुत बड़ा काम किया है। राहुल की पढ़ाई लिखाई और इलाज का पूरा खर्च राज्य सरकार वहन करेगी। स्पीच थेरेपी, श्रवण यंत्र लगवाने की जरूरत होगी तो उसका खर्चा भी राज्य सरकार उठायेगी। मैं रेस्क्यू ऑपरेशन की पूरी टीम को बधाई देता हूँ।

मुख्यमंत्री ने कहा कि रेस्क्यू टीम के सामने चुनौती बहुत बड़ी थी पर हिम्मत और जोश में कोई कमी नही थी। जहां आवश्यकता थी वो सारे लोग उपस्थित रहे ,मशीनरी उपलब्ध होती गयी। उन्होंने कहा कि जैसे ही सूचना मिली सारी टीम, जो भी एक्सपर्ट थे सभी को सूचना दी गई। रेस्क्यू ऑपरेशन में 5 दिन तक लगातार 24 घण्टे काम करते हुए आप थके नहीं।

रेस्क्यू ऑपरेशन पर बनेगी डाक्यूमेंटरी फिल्म

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा है कि जांजगीर-चांपा जिले के बोरवेल में फंसे बच्चे को निकालने के लिए चलाए गए रेस्क्यू ऑपरेशन पर डाक्यूमेंटरी फिल्म बननी चाहिए। रेस्क्यू टीम के इस अनुभव को प्रदेश और देश के लोग समझ सकें। यह फिल्म भविष्य में ऐसी होने वाली घटनाओं को रोकने के लिए भी सीख बनेगी। मुख्यमंत्री बघेल आज यहां अपने निवास कार्यालय में जांजगीर-चांपा जिले के ग्राम पिहरीद के बोरवेल में फंसे बच्चे के रेस्क्यू ऑपरेशन में उल्लेखनीय भूमिका अदा करने वाले जिला प्रशासन, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ, सेना और पुलिस के जवानों सहित इस आपरेशन में सहयोग देने वाले लोगों के सम्मान समारोह को सम्बोधित कर रहे थे।

राहुल को सुरंग से एक बच्चे ने ही निकाला बाहर

जांजगीर-चांपा जिले के पिहरीद गांव में बोर में फंसे 11 वर्षीय बच्चे राहुल की जान एक बच्चे ने ही बचाई है। उस बच्चे का नाम है अजरूल। अजरूल ने राहुल को बचाने में अपनी जान की भी परवाह नहीं की। जब मुख्यमंत्री ने अजरूल से बातचीत करते हुए उससे पुछा कि आपको डर नहीं लगा तो उसने कहा मुझे सबसे पहले बच्चे की जान बचाने की फिक्र थी। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अजरूल को मुख्यमंत्री निवास पर आज आयोजित कार्यक्रम में सम्मानित किया और राज्योत्सव में पुन: सम्मानित करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अजरूल की साहस की सराहना करते हुए कहा कि एक बच्चे ने दूसरे बच्चे की जान बचाने के लिए अपनी जान जोखिम में डाल दी, अजरूल की जितनी भी तारीफ की जाए उतनी कम है।

महत्वपूर्ण एवं खास

दोस्त ने बनाया बहन का नहाते हुए विडियो, गुस्से में भाई ने कुल्हाड़ी से काट डाला

कानपुर (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के कानपुर से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां पर एक भाई ने गुस्से में आकर अपने दोस्त को कुल्हाड़ी से काट दिया। मिली जानकारी के अनुसार कानपुर के चौबेपुर इलाके ताराचंद का शव बरामद हुआ था। इसी मामले की जांच करते हुए पुलिस ने हर्षित को गिरफ्तार किया था जो आखिरी बार उसके साथ था। पुलिस ने तब उससे पूछताछ की तो उसने सब बता दिया। पूरा मामला जानकर पुलिस के भी होश उड़ गए। हर्षित ने बताया कि मृतक ताराचंद उसकी बुआ का लडक़ा था। उसने कुछ दिन पहले ही अपने जन्मदिन पर उसे बुलाया था। लेकिन ताराचंद ने उसकी बहन का नहाते समय वीडियो बना लिया और उसे दिखाकर ब्लैकमेल करने लगा। ऐसे में उसने गुस्से में आकर पहले उसे शराब पिलाई और फिर उसे कुल्हाड़ी से काटकर खेत में फेंक दिया। इस पूरी घटना में उसके दोस्त शोभित ने भी मदद की, जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। फिलहाल पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

बारातियों से भरी बोलेरो गड्ढे में गिरी- 7 लोगों की मौत

छिंदवाड़ा (आरएनएस)। मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा में आज एक बड़ा सडक़ हादसा हुआ जिसमें 7 लोगों की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार कोड़ा मऊ से छिंदवाड़ा की ओर आ रही बोलेरो वाहन सडक़ के किनारे स्थित बड़े गड्ढे में जा गिरी। बताया जा रहा है कि वाहन में 8 बाराती सवार थे। दुर्घटना उस समय हुई जब बोलेरो के सामने एक दुपहिया वाहन आ गया। उसे बचाने के चक्कर में वाहन सडक़ के किनारे उतर गया और पास के गड्ढे में जा गिरा। हादसे में मौके पर ही 6 लोगों ने दम तोड़ दिया जबकि एक गंभीर घायल की स्थानीय अस्पताल में मौत हो गई। घटना के कारणों को लेकर बताया जा रहा है कि बोलेरो वाहन तेज रफ्तार से था। इसकी वजह से सडक़ के किनारे उतरते ही उसका संतुलन बिगड़ गया और वह पास के गड्ढे में जा गिरा। वहीं मोटरसाइकिल सवारों को भी चोट आने की खबर है जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस एमआर शाह को हार्ट अटैक, एयर एंबुलेंस से हिमाचल प्रदेश से दिल्ली लाया गया

नई दिल्ली (आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस एम आर शाह को हिमाचल में हार्ट अटैक आने की सूचना है। उन्हें एयरलिफ्ट कर दिल्ली लाया गया है। खबर के मुताबिक जस्टिस शाह हिमाचल प्रदेश में थे, जब उन्हें हार्ट अटैक आया। ताजा जानकारी के मुताबिक उन्हें दिल्ली के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह जानकारी सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता एवं भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने यह जानकारी दी है। उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। गौरव भाटिया ने ट्वीट कर बताया कि हिमाचल प्रदेश में जस्टिस एम आर शाह को हार्ट अटैक आया है और अब जस्टिस शाह को एयर एंबुलेंस से दिल्ली लाने की व्यवस्था की जा रही है। ईश्वर से उनके जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना है। 64 वर्षीय जस्टिस शाह गुजरात हाई कोर्ट के भी जज रह चुके हैं। इसके बाद उन्हें पटना हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस के तौर पर नियुक्ति मिली थी। इसके बाद वह सुप्रीम कोर्ट में जज बने। एक मौके पर उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी की तारीफ करते हुए कहा था कि वह लोकप्रिय, प्यार किए जाने वाले और विजनरी नेता हैं।

प्रदर्शन से ट्रेनों का परिचालन प्रभावित; 22 ट्रेनें रद्द

पटना (आरएनएस)। बिहार में सेना भर्ती के अग्निपथ योजना के विरोध में गुरुवार को भी कई हिस्सों में विरोध प्रदर्शन जारी रहा। इस क्रम में सैकड़ों छात्र सडक़ और रेल पटरियों पर उतरे, जिससे यातायात बुरी तरह प्रभावित रहा। रेलवे स्टेशनों और रेल पटरियों पर प्रदर्शन करने के कारण रेल परिचालन पर इसका प्रभाव पड़ा है। पूर्व मध्य रेलवे में कई ट्रेनों के परिचालन को रद्द कर दिया गया है। अग्निपथ योजना के विरोध में प्रदर्शनकारी सुबह में ही कई रेलवे स्टेशनों पर पहुंचे गए और इस योजना को वापस लेने की मांग को लेकर हंगामा करने लगे। प्रदर्शन के कारण कई ट्रेनों को जहां-तहां रोक दिया गया। पूर्व मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी वीरेंद्र कुमार ने गुरुवार को बताया कि धरना और प्रदर्शन के कारण ट्रेनों के परिचालन में बदलाव किया है। उन्होंने बताया कि विभिन्न मार्गों से गुरुवार को चलने वाली 22 ट्रेनों को रद्द कर दिया गया है।

हरियाणा सरकार ने पलवल में इंटरनेट सेवाओं को अस्थायी रूप से किया बंद

चंडीगढ़ (आरएनएस)। हरियाणा के पलवल शहर में पुलिस ने गुरुवार को सैकड़ों हिंसक प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए हवा में गोलियां चलाईं, ताकि रक्षा सेवाओं में भर्ती के लिए अग्निपथ योजना के खिलाफ प्रदर्शन को रोका जा सके। पांच पुलिस वाहनों को आग लगा दी गई, पथराव में कई रोडवेज बसों को क्षतिग्रस्त कर दिया गया और राष्ट्रीय राजमार्ग 19 को अवरुद्ध कर दिया गया। यहां तक कि प्रदर्शनकारियों ने उपायुक्त के घर और कार्यालय पर पथराव भी किया। भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले दागे। रिपोर्ट्स के मुताबिक डिप्टी कमिश्नर यशपाल खटाना घायल हो गए। हालांकि, कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। विरोध के बीच, स्थानीय अधिकारियों ने अगले 24 घंटों के लिए इंटरनेट और एसएमएस सेवाओं को निलंबित कर दिया। इसके अलावा धारा 144

के तहत निषेधाज्ञा लागू की। हरियाणा में अन्य जगहों पर, रेवाड़ी शहर में स्थिति तनावपूर्ण थी, युवाओं ने बस स्टैंड के बाहर सडक़ को अवरुद्ध कर दिया और पुलिस पर पथराव किया। भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। कांग्रेस नेता और पूर्व सैनिक कैप्टन अजय यादव ने कहा कि इस योजना का उद्देश्य बलों की भावना को कम करना और सैनिकों को दिए जा रहे लाभों में कटौती करना है।

राष्ट्रीय प्रतियोगिता में राजनांदगांव की वेटलिफ्टर ज्ञानेश्वरी यादव ने जीता गोल्ड एवं सिल्वर मेडल

- वेटलिफ्टिंग के राष्ट्रीय क्षतिज पर छत्तीसगढ़ हुआ गौरवान्वित
- जूनियर वर्ग में गोल्ड मेडल जीतकर बनी देश की नंबर वन वेटलिफ्टर ज्ञानेश्वरी
- मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और खेल एवं युवा कल्याण मंत्री पटेल ने दी बधाई

रायपुर (आरएनएस)। हिमाचल प्रदेश में चल रहे वेटलिफ्टिंग रैंकिंग की राष्ट्रीय प्रतियोगिता में राजनांदगांव की वेटलिफ्टर ज्ञानेश्वरी यादव ने फिर से सोना और चांदी जीतकर छत्तीसगढ़ का नाम रौशन किया है। मुख्यमंत्रीभूपेश बघेल, उच्च शिक्षा एवं खेल मंत्री उमेश पटेल, राजनांदगांव कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा ने इस गौरवपूर्ण उपलब्धि के लिए ज्ञानेश्वरी यादव को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी है। गौरतलब है कि वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता के जूनियर वर्ग 49 किलोग्राम में ज्ञानेश्वरी ने गोल्ड मेडल जीतकर देश की नंबर वन वेटलिफ्टर बन गई हैं। ज्ञानेश्वरी ने सीनियर वर्ग में रजत पदक प्राप्त किया है। इस वर्ग में उन्होंने देश की नंबर वन वेटलिफ्टर मीराबाई चानू से मुकाबला किया था और सिल्वर मेडल पदक प्राप्त किया है।

यहां यह उल्लेखनीय है कि हाल ही में आयोजित खेलो इंडिया यूथ गेम्स में छत्तीसगढ़ ज्ञानेश्वरी यादव ने 164 किलोग्राम वजन उठाकर अपने पुराने रिकार्ड को ब्रेक करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया था। ज्ञानेश्वरी ग्रीस के हेराक्लिओन शहर में 01-10 मई तक आयोजित जूनियर वल्ड वेटलिफ्टिंग चौंपियनशिप में 49 किलो वर्ग के स्नेच, क्लीन एंड जर्क स्पर्धा में 156 किलोग्राम वजन उठाकर तीन सिल्वर मेडल जीतकर छत्तीसगढ़ की पहली महिला वेटलिफ्टर बन गई हैं, जिन्होंने विदेशी धरती पर जूनियर वल्ड चौंपियनशिप में सिल्वर मेडल का खिताब हासिल किया है।

बिहार में अग्निपथ योजना पर बवाल : ट्रेनें फूंकी, भाजपा कार्यालय में लगाई आग

पटना (आरएनएस)। बिहार में सेना भर्ती में अग्निपथ योजना पर बवाल दूसरे दिन यानी गुरुवार को भी जारी है। प्रदर्शनकारियों ने दूसरे दिन राज्य के कई जिलों में प्रदर्शन के नाम पर जमकर बवाल काटा। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने गोपालगंज, छपरा में ट्रेन की बोगियों में आग लगा दी तथा नवादा में भाजपा कार्यालय को फूंक दिया। सेना में भर्ती के लिए लाई गई अग्निपथ योजना के विरोध में बिहार के जहानाबाद, बक्सर, नवादा, सारण, भोजपुर, गोपालगंज, मुंगेर सहित कई जिलों में छात्रों ने बवाल किया है। वहां छात्रों ने सडक़ों को जाम किया और आगजनी की।

प्रदर्शनकारी छात्रों ने गोपालगंज के सिधवलिया रेलवे स्टेशन पर गोरखपुर-पाटलिपुत्र एक्सप्रेस ट्रेन में आग लगा दी। ट्रेन की कई बोगियां धू धू कर जलने लगी। रेलवे स्टेशन पर अफरातफरी मच गई और ट्रेन में सवार यात्रियों ने भाग कर किसी तरह से अपनी जान बचाई। घटना की सूचना मिलते ही घटनास्थल पर जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक भी पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित किया। थावे- छपरा रेलखंड पर रेल पुलिस ने पूरे रेलवे स्टेशन और ट्रेनों की सुरक्षा बढ़ाते हुए हाई अलर्ट जारी किया है। इस हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। गोपालंगज के एसपी आनंद कुमार ने कहा कि एक ट्रेन बुलाई जा रही है, जिससे गंतव्य की ओर यात्रियों को पहुंचाया जाएगा। उन्होंने कहा कि घटना को अंजाम देने वाले प्रदर्शनकारियों की पहचान की जा रही है और उन पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

प्रदर्शनकारियों ने पहले यात्रियों के साथ मारपीट की गई, उसके बाद ट्रेन को आग के हवाले कर दिया। जहानाबाद में छात्र रेलवे स्टेशन पर पहुंचे और रेल पटरी पर प्रदर्शन किए। हालांकि पुलिस ने छात्रों को खदेड़ दिया। नवादा, आरा, अरवल में भी छात्र सडक़ों पर उतरे और केंद्र सरकार के विरोध में नारे लगाते हुए उग्र प्रदर्शन किया। नवादा में प्रदर्शनकारी छात्रों ने कई वाहनों को भी निशाना बनाया। नवादा में प्रदर्शनकारियों ने भाजपा कार्यालय में धावा बोलकर उसमें जमकर तोडफोड की और फिर आग के हवाले कर दिया। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।

जहानाबाद स्टेशन पर युवाओं ने प्रदर्शन किया। यहां युवाओं ने ट्रेनों के साथ स्टेशन के ठीक बगल से गुजरने वाले एनएच पर वाहनों का आवागमन भी बाधित किया। करीब ढाई घंटे के बाद पुलिस ने लाठीचार्ज कर युवाओं को खदेड़ा। इधर, बक्सर और नवादा में भी हंगामा शुरू हुआ। नवादा जिले में वारसलीगंज विधानसभा क्षेत्र की विधायक अरुणा देवी की गाड़ी पर भी प्रदर्शनकारियों ने पत्थरबाजी की। इस घटना में विधायक पूरी तरह सुरक्षित हैं। गुरुवार की सुबह बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी सडक़ों पर उतर गए और आरा स्टेशन के पास पहुंचकर स्टेशन पर पथराव किया गया, जिससे रेलवे की संपत्ति को नुकसान पहुंचा। यहां प्रदर्शनकारियों ने दुकानों में लूटपाट की।

छपरा रेलवे स्टेशन पर खड़ी एक ट्रेन की बोगी में प्रदर्शनकारियों ने आग के हवाले कर दिया। मुंगेर में भी छात्रों के प्रदर्शन की खबर है। इससे पहले बुधवार को भी बक्सर, मुजफ्फरपुर, बेगूसराय में भी विरोध हुआ था। छात्र सेना में चार साल की भर्ती वाली इस योजना से नाराज हैं। छात्रों का कहना

बिहार में भाजपा नेता अरुण यादव ने पत्नी और खुद को मारी गोली, दोनों की मौत

मुंगेर (आरएनएस)। पहले पत्नी को मारी गोली फिर खुद को भी गोली मारकर खत्म कर लिया. दिल दहला देनेवाली यह घटना गुरुवार को मुंगेर में हुई है. मुंगेर में एक भाजपा नेता ने पहले पत्नी की गोली मारकर हत्या कर दी. इस घटना को अंजाम देने के बाद उसने खुदकुशी कर ली. मरनेवाले भाजपा नेता का नाम अरुण यादव है. वो भाजपा के ओबीसी मोर्चा के उपाध्यक्ष थे. घटना कोतवाली थाना क्षेत्र के लाल दरवाजा इलाके की है. इस घटना की सूचना इलाके में आग की तरह फैली और अरुण यादव के घर लोगों की भीड़ जमा हो गयी

पत्नी से चल रहा था विवाद- घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने मौके से दो देसी कट्टा बरामद किया है. दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया गया है. घटना के कारणों का पता अब तक नहीं चल पाया है. फिलहाल पुलिस घटना की हरेक बिन्दुओं की जांच में जुटी है. मिली जानकारी के अनुसार भाजपा नेता का पत्नी से किसी बात को लेकर विवाद चल रहा था.

पत्नी थी मेयर की उम्मीदवार - कहा जाता है कि मुंगेर नगर निगम के लिए होने वाले चुनाव में उनकी पत्नी मेयर पद के लिए संभावित प्रत्याशी थी. लोगों का कहना है कि राजनीतिक महत्वाकांक्षा के कारण ही दोनों के बीच विवाद होता रहता था. इस घटना के पीछे भी यह कारण हो सकता है. बहरहाल पुलिस इस मामले की जांच में जुटी है.

यूपी में बुलडोजर ऐक्शन पर एससी का स्टे, नियम से ही ढहा सकते हैं कोई इमारत

नई दिल्ली (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में हिंसा करने वालों के घरों पर बुलडोजर चलाने की कार्रवाई पर सुप्रीम कोर्ट ने अगले सप्ताह तक रोक लगा दी है। अदालत ने इस मामले में यूपी सरकार को अगले तीन दिन के अंदर जवाब दाखिल करने को कहा है और अगले सप्ताह सुनवाई होने तक बुलडोजर के ऐक्शन पर भी रोक का आदेश दिया है। अदालत ने जमीयत-उलेमा-ए-हिंद की ओर से दाखिल अर्जी पर सुनवाई करते हुए कहा कि सरकार को इस मसले पर राय जाहिर करने के लिए वक्त दिया जाएगा। तब तक हम उन लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करेंगे। वे लोग भी समाज का ही हिस्सा हैं। यदि किसी को कोई समस्या है तो उसे हक है कि उसका समाधान तलाशे। इस तरह से निर्माण को ढहाना कानून के तहत ही हो सकता है। इस केस की सुनवाई अब हम अगले सप्ताह करेंगे।

शीर्ष अदालत ने प्रयागराज, कानपुर मामले में उत्तर प्रदेश सरकार को हलफनामा दाखिल करने के आदेश दिए हैं। राज्य सरकार को तीन दिनों का समय दिया गया है। साथ ही कोर्ट का यह कहना है कि अगर नियमों का पालन किया गया है, तो कार्रवाई पर रोक नहीं लगाई जा सकती। जमीयत उलेमा ए हिंद ने सोमवार को याचिका दायर कर राज्य सरकार को निर्देश जारी करने की मांग की थी कि किसी आरोपी की संपत्ति पर तत्काल कार्रवाई न की जाए। इसके साथ ही जमियत ने कहा था कि कानपुर में संपत्ति ढहाने की तैयारियों पर रोक लगाई जाए।

समुदाय को देखे बिना किया है ऐक्शन, जहांगीरपुरी का हवाला- सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा, हमने यह साफ कर दिया है कि किसी भी ऐसे ढांचे या भवन को नहीं गिराया गया है, जो कानूनी तौर पर सही हो। उन्होंने कहा कि सभी का अपना एजेंडा है और एक सियासी दल ने याचिका दायर की है। उन्होंने कहा कि जहांगीरपुरी इलाके में समुदाय को देखे बगैर ढांचे हटाए गए थे। मेहता ने कहा कि इसमें जरूरी प्रक्रिया का पालन किया जा रहा है।

नोटिस देने और सुनवाई के लिए समय की मांग- जस्टिस एएस बोपन्ना और जस्टिस विक्रम नाथ की बेंच ने जमीयत की याचिका पर सुनवाई की। याचिका में यह भी कहा गया था कि राज्य सरकार को आदेश जारी किए जाएं कि कानून के मुताबिक ही संपत्ति ढाहाने की कार्रवाई की जाए। साथ ही इसमें प्रभावित व्यक्ति को नोटिस देने और सुनवाई के लिए समय देने की मांग की गई थी।

संपत्ति ढहाने को बताया प्राकृतिक न्याय के खिलाफ- जमीयत का कहना है कि संपत्ति ढहाने की तत्काल कार्रवाई प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के खिलाफ है। खास बात है कि जमीयत के आवेदन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बयान का भी जिक्र किया गया था, जिसमें उन्होंने कहा था कि आरोपियों के मकानों को बुलडोजर की मदद से गिराया जाएगा। इसमें एडीजी (कानून-व्यवस्था) प्रशांत कुमार और कानपुर पुलिस आयुक्त विजय सिंह मीणा के बयान को भी शामिल किया गया है, जिसमें पुलिस अधिकारी दोहरा रहे हैं कि आरोपियों की संपत्ति को कब्जे में लिया जाएगा और ढहाया जाएगा।

जमीयत ने यूपी के किस कानून का दिया हवाला- जमीयत ने उत्तर प्रदेश (रेग्युलेशन ऑफ बिल्डिंग ऑपरेशन) एक्ट 1958 की धारा 10 को लेकर कहा कि इसके तहत प्रभावित व्यक्ति को मौका नहीं मिलने तक भवन नहीं ढहाया जा सकता। इसके आगे जमीयत ने कहा है कि यूपी अर्बन प्लानिंग एंड डेवलपमेंट एक्ट 1973 की धारा 27 में कहा गया है कि संपत्ति ढहाने की कार्रवाई से पहले प्रभावित व्यक्ति की बात सुनी जाएगी और उन्हें कम से कम 15 दिनों का नोटिस दिया जाएगा।